

संवन्धिनः, मातृमातुलाः 183. संवन्धिवान्धवैः 3, 74. KATHAS. 43, 7. समित्र-
ज्ञातिवान्धवान् M. 9, 269. सखिसंवन्धिवान्धवान् JĀG. 1, 108. मित्रस्वज-
नवान्धवाः Spr. 2437. Ver. in LA. 32, 7. वलवत्तः समृद्धार्था मित्रवान्धव-
नन्दाः । त्रिवन्ध्वान्योऽन्यमाश्रित्य दुमाः काननजा इव ॥ Hip. 1, 42. Frau
und Kinder darunter verstanden Brāhman. 1, 35. der Sohn so genannt
Dac. 2, 44. आश्मशानान्निवर्तते ज्ञातयः सह वान्धवैः Spr. 398. M. 4, 241.
दिक्प्रन्या वेदवान्धवा Spr. 249. व्यासनेपु च वान्धवान् (ज्ञानीयात्) 332.
उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिते शत्रुविग्रहे । राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स
वान्धवः ॥ 438. धनेभ्यः परे वान्धवो नास्ति लोके 1303. लज्जते वान्धवा-
स्तेन संवन्धं गोपायति च — यस्य न स्युः कपर्दिनाः 2634. सद्भावेन च वा-
न्धवम् (क्रेतेत्) 3332. राजानो मत्स्विवान्धवाः । पतयो वान्धवाः स्त्रीणां ब्रा-
ह्मणा वेदवान्धवाः ॥ 4320. प्रयुष्मप्रियं (पौत्रेण) 3018. श्रवान्धवं श्वम्
M. 10, 55. नृपमेव सवान्धवम् 7, 28. 111. Am Ende eines adj. comp. f. श्री
R. 2, 97, 27. KATHAS. 23, 25. 31, 56. 33, 4. Freund H. an. Med. — Vgl.
पिकं, पितृं, राजं, वन्धु.

वान्धवक (von वान्धव) adj. verwandtschaftlich: विधि HARIV. 3704.

वान्धव्य (wie eben) n. verwandtschaftliches Verhältniss KATHAS. 19, 53.

वान्धुक adj. vom Bandhuka-Baume stammend: इष्टम् KATH. 21, 10.

— Vgl. 2. वाधक und वन्धूक.

वान्धुकिनेयं m. metron. von वन्धुको v. l. im gaṇa कल्याण्यादि zu
P. 4, 1, 126.

वान्धुपतं adj. (f. ई) von वन्धुपति gaṇa श्रमपत्यादि zu P. 4, 1, 84.

वाप्यदेव (वा० + देव) m. N. pr. eines Steinschneiders Inschr. in Journ.
of the Am. Or. S. 7, 29, 5. 33, 10.

वाबजीव्यास (वा० + व्यास) m. N. pr. eines Autors Verz. d. B. H.
No. 692.

वावर (von ववर) 1) adj. Bez. eines Paṅkarātra Āc. 10, 2. —
2) N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 339, b, 31.

वावेरो f. N. pr. einer Stadt HALL 77.

वाधव 1) adj. von वधु. सामन् PAKṢAV. Br. 15, 3, 12. Ind. St. 3, 226, a.
गतनिधनं वाधवम् 214, a. सर्प वाधवम् 242, b. — 2) m. patron. von वधु
P. 4, 1, 106, Sch. CAT. Br. 14, 3, 5, 22. 7, 3, 28. वाधवदानद्युताः, वाधवशा-
लङ्कायनाः, शणकवाधवाः gaṇa कार्तिकोत्पादि zu P. 6, 2, 37. — 3) f. ई
Bein. der Durgā TRIK. 1, 1, 53. H. c. 47. Verz. d. Oxf. H. 191, a, 22.

वाधवापि m. patron. von वाधव; N. pr. eines Sohnes des Viçvā-
mitra MBh. 13, 256.

वाधवीय adj. von वाधव्य Verz. d. Oxf. H. 215, b, 20. 217, b, 6. m. pl.
die Schüler des Bābhravja 4.

वाधव्य (patron. von वधु) m. gaṇa गर्गादि zu P. 4, 1, 105. राजन्यादि
zu 2, 53. Schol. zu 6, 1, 79. 4, 146. Vop. 7, 1. 9. HARIV. 1235. N. pr. eines
Lehrers Āc. GRU. 3, 4, 4. ÇĀṆKH. GRU. 4, 10. 6, 1. Verz. d. Oxf. H. 40,
a, N. 2. 217, b, 4. पाञ्चाल 215, b, 13. कैशिक P. 4, 1, 106. गोपालः प्रेषितः
पुत्रो वाधव्यो नाम नामतः MĀRK. P. 112, 6. वाधव्या f. 69, 6. 134, 2. pl.:
शाण्डिल्याः Verz. d. Oxf. H. 38, b, 38.

वाधव्यक adj. von Bābhravja's bewohnt: देश gaṇa राजन्यादि zu
P. 4, 2, 53.

वाधव्यापणी f. zu वाधव्य gaṇa लोहितादि zu P. 4, 1, 18. Schol. zu 106.

वाधुर्क (von वधु) adj. ichneumonartig d. i. wohl braun, bräunlich

gaṇa श्रुत्यादि zu P. 5, 3, 108.

वार Oeffnung s. त्रिस्त्रं, नीचीनं.

वार्कट m. Bein. Naraharadāsa's Verz. d. Oxf. H. 398, b, No. 147. figg.

वारेड्य N. pr. einer Stadt Verz. d. Oxf. H. No. 773. 228.

वार्वटीर (वार्वटीर) m. 1) der Kern einer Mangofrucht. — 2) ein jun-
ger Schoss. — 3) Zinn. — 4) der Sohn einer Hure (vgl. वर्वटी) H. an. 4,
273. Med. r. 287, wo st. घात्रास्थ्यङ्कुरे wohl mit H. an. घात्रास्थ्यङ्कुरे
zu lesen ist.

वार्क (von 1. वर्क) adj. aus den Schwanzfedern des Pfauens gemacht:
चामर Bhāg. P. 8, 10, 13.

वार्कत 1) adj. f. ई a) zum वर्कत् (सामन्) in Beziehung stehend gaṇa
उत्सादि zu P. 4, 1, 86. Agni VS. 29, 60. Indra TS. 2, 3, 3, 2. CAT. Br. 1,
7, 2, 17. 14, 4, 2, 12. ÇĀṆKH. Br. 24, 1. 2. Ça. 1, 2, 18. LĪṬ. 4, 3, 19. Zweifel-
haft in der Stelle: वार्कतैः सोम रत्तितः RV. 10, 83, 4. वार्कतं वाजग्निदि-
ह्योऽरन्ध्रम् N. eines Sāman Ind. St. 3, 226, a. — b) zum Metrum वर्-
कती in Beziehung stehend, dieses vorstellend, daraus gebildet u. s. w.
AIT. Br. 4, 3. प्रगाव 9. 31. RV. PRĀT. 18, 1. 7. Ind. St. 8, 26, 1. 143, 26. TS.
5, 3, 3, 3. CAT. Br. 8, 6, 3, 3. तृच Āc. 6, 5. ÇĀṆKH. Ça. 9, 3, 10. figg. प्रति-
पद 20, 7. 12, 6, 1. — 3) n. die Frucht der वर्कती, eines Solanum, gaṇa
प्लतादि zu P. 4, 3, 164. AK. 2, 4, 1, 19.

वार्कतानुष्टुभ adj. aus einer वर्कती und einer अनुष्टुभ gebildet: प्रगाव
RV. PRĀT. 18, 11.

वार्कत्सामा (von वर्कत्सामन्) f. N. pr. oder Bez. eines Weibes: वि-
जिह्वीष वार्कत्सामे गर्भस्ते पोनिमा शंयाम् AV. 5, 23, 9.

वार्कद्वयं m. pl. die Nachkommen des Bṛhadagni gaṇa कण्वादि zu
P. 4, 2, 111.

वार्कदीप्य m. patron. von वर्कद्विषु; pl. Buāg. P. 9, 21, 26. Die Lango
durch das Versmaass bedingt.

वार्कडुक्यं adj. (z. B. सामन्) und patron. von वर्कडुक्य Āc. 12,
11. CAT. Br. 13, 2, 2, 14. PAKṢAV. Br. 14, 9, 37. Ind. St. 3, 226, a.

वार्कद्विर (von वर्कद्विरि) adj.: सामन् Ind. St. 3, 226, a. PAKṢAV. Br. 13,
4, 15. 17. LĪṬ. 7, 2, 1. 10, 2, 11.

वार्कदेवत n. Titel eines, Çauna ka zugeschriebenen Buches, welches
sonst auch वर्कदेवता genannt wird, Shaṅguru. in Ind. St. 1, 102.

वार्कद्वल adj. zu वर्कद्वल in Beziehung stehend: वार्कद्वलान्वयाः Buāg.
P. 9, 12, 15.

वार्कद्वय (von वर्कद्वय) adj. zu Bṛh. in Beziehung stehend: रयंतर
MBh. 5, 1711. m. patron. des Garāsaṁdha ÇABDAR. im ÇKDR. MBh. 2,
594. HARIV. 1613. 4936. वार्कद्वया भूपालाः Buāg. P. 9, 22, 47. VP. 463.
LĪA. I, Anh. xxxi. fig.

वार्कद्वि (wie eben) m. patron. des Garāsaṁdha TRIK. 2, 8, 23.

वार्कवर्तं adj. das Wort वर्कवत् enthaltend gaṇa विमुक्तादि zu P. 5, 2, 61.

वार्कस्पत adj. f. ई zu Bṛhaspati in Beziehung stehend, von ihm stam-
mend u. s. w.: ज्ञान MBh. 12, 5437. श्रय वार्कस्पतः श्रीमान्युक्तः पुष्येण
(so die ed. Bomb.) R. 2, 26, 9. किं नु वार्कस्पतो योगो युक्तः पुं 11 GORR.
भारती MBh. 13, 3692.

वार्कस्पत्यं (wie eben) adj. dass. AV. 9, 4, 1. VS. 24, 2. चरु TS. 1, 8, 9, 1.
CAT. Br. 3, 9, 1, 11. 4, 3, 1, 10. 13, 2, 6, 9. KĪT. Ça. 23, 4, 16. नमो वर्कस्प-